विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 15-22 जनवरी 2025 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 29 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में श्रद्धा और भगवान में विश्वास उतना ही जरूरी है, जितना जीवन में सांस लेना जरूरी है. बिना सांस लिए जैसे जीना संभव नहीं है, वही बगैर परमात्मा की कृपा के जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य संभव नहीं है. उन्हें इसीलिए परमपिता कहा जाता है. कर्म के साथ धर्म भी जरूरी है.

पेज नंबर 2

महाविकास में बढ़ती दरार आगामी हार निश्चित करेगी

पेज नं.2

पूर्व की उद्धव ठाकरे सरकार को अदालती झटका

पेज नं.4

भाव अगर सच्चा तो भगवान व्यंकटेश करते हैं भक्तों का सदैव अच्छा

पेज नं. 8

खल्लार बालाजी के मंदिर में 30 जनवरी से श्रीराम कथा, पं.प्रमोद जोशी कराएंगे भक्तों को रसपान

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

विश्व इतिहास के साथ रिकार्ड महाकुंभ आरंभ

आस्था का परम उत्सव, विश्व भर से पहुंच रहे हैं करोड़ों भक्त,आस्था का महासैलाब बना है विश्व का आकर्षण

सर्वेश दुबे, 8 जनवरी

प्रयागराज-भारत की प्राचीन और गौरवशाली के साथ ही सनातन धर्म की महानता का बखान करने वाली यात्रा के रूप में महाकुंभ का उल्लेख होता है. विश्व का यह जहां सबसे बड़ा आयोजन है, वहीं इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा यहां की गई व्यवसथा भी न केवल सराहनीय बल्कि अनुकरणीय कही जा रही है. सांस्कृतिक, सामाजिक और अध्यात्मिक धरोहर का यह अद्वितीय उदाहरण जहां है, वहीं दूसरी ओर गंगा नदी में लाखों लोगों द्वारा रोज डुबकी लगाते हुए जीवन धन्य किया जा रहा है. महाकुंभ का इतिहास जितना गौरवमयी है, उतना ही कई विश्व रिकार्ड इसके होने का गौरव भी हर भारतीय को होना चाहिए. न केवल भारत बल्कि आस्था के उत्सव में डुबकी लगाने के लिए विश्व भर से आए भक्त यहां सभी के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं. 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलने वाला यह महाकुंभ कई विश्व रिकार्ड भी बनाने वाला है.

शेष पेज 2 पर

महाकुंभ में 1 करोड़ से अधिक लोगों ने किया स्नान

प्रयागराज-महाकुंभ की शुरुआत हो चुकी है. संगम पर डुबकी के लिए कड़ाके की ठंड की चिंता किए बिना देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. विदेशी भक्त भी महाकुंभ पहुंच रहे हैं. कंभ मेला क्षेत्र दिव्य सजावट और भव्य तैयारियों से जगमगा उठा है. चारों ओर आध्यात्मिकता का प्रकाश और धर्म की गूंज है. मकर संक्रांति पर्व पर अखाड़ों का अमृत स्नान करीब साढ़े नौ घंटे तक चला.

जापान से योगमाता पहुंची-उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के दूसरे दिन अमृत स्नान के मौके पर जापान से आईं योगमाता केइको आइकावा भी पहुंची. उन्होंने कहा कि 'मैं बहुत उत्साहित महसूस कर रही हूं. मैं सभी को आशीर्वाद देती हूं.उत्तर प्रदेश सूचना विभाग ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के पहले दिन एकता और 'वसुधैव कुटुम्बकम' (विश्व एक परिवार है) का संदेश दिया गया, जब कई देशों, भारत के हर राज्य और हर जाति के लोगों ने एक साथ अमृत स्नान में भाग लिया.उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि आज 2025 महाकुंभ का प्रथम अमृत स्नान है. जिसमें विभिन्न अखाड़ों को साधु-सन्यासी भी स्नान कर रहे हैं. आज ब्रह्म मूहूर्त से ही अखाड़ों का आना शुरू हो चुका है. अन्य घाटों पर जो स्नान चल रहा है सबह सात बजे तक वहां 98 लाख 20 हजार लोगों ने स्नान कर लिया था, ऐसे में अब तक लगभग 1 करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं. आज घाटों पर अत्यंत भीड़ है. हमारे सभी अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं. हमारे सभी कंट्रोल रूम के द्वारा लगातार अनुसरण किया जा रहा है. सभी लोग रेड अलर्ट पर हैं.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा हर अंक में पेज 4 पर विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तों को भक्तिमय प्रस्तुत है. आप भी इसका पठन कर अपना जीवन धन्य कर सकते हैं. कुछ गलती हो तो क्षमा करिएगा.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

बढ़ती दरार और आगामी चुनाव में भी पक्की हार

राज्य में महाविकास आघाड़ी के कुछ बड़बोले नेताओं के कारण विधानसभा चुनाव के नतीजों से संभलने की बजाय आपस में ही एक-दूसरे को नीचा दिखाने की स्पर्धा निश्चित तौर पर आगामी दिनों में भी गठबंधन को झटका देना तय है. शिवसेना ने आगामी स्थानीय निकायों के चुनाव स्वयं के बलबूते लड़ने का फैसला लेकर इसकी शुरूवात कर दी है. लेकिन इस मामले में कांग्रेस ने तत्काल प्रतिक्रिया दी. वैसे भी विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी की हार के लिए कोई दूसरा नहीं बल्कि यही जिम्मेदार रहने से कोई इंकार नहीं कर सकता है. शिवसेना प्रवक्ता संजय राऊत को कार्यकर्ताओं की अब याद आई है. उन्होंने कहा कि शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट स्थानीय निकायों के आगामी चुनाव अपने बलबूते लड़ेगी. इस माध्यम से जहां उन्होंने गठबंधन से बाहर निकलने का एक तरह से ऐलान कर दिया है, वहीं दूसरी ओर अन्य सहयोगी दलों द्वारा भी अब इसी को आगे रखने की संभावना जताई जा रही है. राज्य विधानसभा चुनाव में मतदाताओं द्वारा जोरदार पटकनी देने के बाद भी महाविकास आघाड़ी के नेताओं में कोई समझदारी नहीं दिखाई दे रही है. लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह की एकता महाविकास आघाड़ी में दिखाई दी थी और चुनाव में जिस तरह से शानदार सफलता हासिल करते हुए भाजपा को झटका दिया था वह नजारा राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान नहीं दिखाई दिया. इसका ही परिणाम यह हुआ कि आपस में ही एक दूसरे के प्रत्याशियों को गिराने के प्रयास में तीनों ही दलों को करारा झटका लगा. अमरावती जिले में तो कांग्रेस का पूरा विधानसभा चुनाव में सफाया हो गया. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजीत पवार गुट ने अमरावती विधानसभा की सीट सुलभा खोड़के, दर्यापुर सीट उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने बरकरार रखते हुए कम से कम जिले में अपनी इज्जत बचा ली. इतना बड़ा झटका खाने के बाद भी इस गठबंधन के नेता अभी भी अपनी डफली अपना राग बजाने से बाज नहीं आ रहे हैं. इसकी शुरूआत संजय राऊत ने कर दी है. कार्यकर्ताओं को आगामी चुनाव में मौका देने के लिए राउत ने पार्टी द्वारा अपने बलबूते चुनाव लड़ने का फैसला लिए जाने की जानकारी पत्रकारों को दी. कांग्रेस के नेता विजय वड्डेट्टीवार ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव में अगर शिवसेना आगे नहीं आती है तो कांग्रेस अपनी राह अलग कर लेगी और वह स्वतंत्र रूप से नगर पालिका से लेकर महानगरपालिका, जिला परिषद, पंचायत समिति तथा अन्य चुनाव लड़ने के लिए तैयार है. राज्य में विधानसभा में विपक्ष नाम का नहीं रहने के बाद भी सुधार नहीं दिख रहा है.

पूर्व की सरकार को अदालती झटका

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

राज्य विधान परिषद में राज्यपाल द्वारा नामित किए जाने वाले विधायकों का मामला अदालत में जाने के बाद पूर्व की सरकार को अदालत ने झटका दिया. आजकल स्वयं के लाभ के लिए जनहित याचिका दाखिल करने की प्रवृत्ति बढ़ी है. ऐसे में अदालत द्वारा दिया गया झटका निश्चित ही अनुकरणीय कहा जाना चाहिए. अदालत ने याचिकाकर्ता की मंशा पर ही सवाल उठाते हुए दाखिल याचिका को रद्द कर दिया. कानून सभी के मामले में एक रहने की बातें ही की जाती हैं, अगर अदालतों का अंकुश नहीं होता, मीडिया का दवाब नहीं होता तो निश्चित तौर पर हमारे नेता क्या करते, इसका अंदाज नहीं लगाया जा सकता. कई मामले में यह बात साबित हुई है. आज भी करोड़ों-अरबों के घपले में किसी बड़े नेता को सजा नहीं हुई. निचली अदालत के फैसले को चुनौती देकर यह कई साल तक वैसे ही रहते हैं. राजनीतिक स्वार्थ इस कदर हावी है कि वे नेता हाथ में संविधान लेकर दाखिला देते हैं लेकिन स्वयं उन्होंने अगर संविधान पढ़ लिया होता और उसको समझ लिया होता तो देश में गड़बड़ी वाला विषय ही नहीं रहता है. लेकिन हमारी आदत लोगों की कमियां निकालने की जो पड़ी है.राज्य की पूर्व की महा विकास आघाडी सरकार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जोरदार झटका दिया है. राज्यपाल द्वारा नामित 12 विधान परिषद सदस्यों के मामले में अदालत में सरकार को यह झटका दिया है. महा विकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल में राज्यपाल द्वारा नामित विधान परिषद सदस्यों के लिए भेजी गई 12 नाम की सूची वापस लेने के निर्णय के खिलाफ दायर जनहित याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया है. इन नामों को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार के कार्यकाल में वापस लिया गया था. एकनाथ शिंदे सरकार की इस फैसले के खिलाफ शिवसेना उद्धव ठाकरे की पदाधिकारी ने अदालत में जनहित याचिका दाखिल की थी. गुरूवार को अदालत ने कहा कि यह याचिका गलत इरादे से दाखिल की गई है इसलिए यह खारिज करने के योग्य है. अदालत द्वारा दिए गए इस फैसले से महा विकास आघाडी के नेताओं को जोरदार झटका लगा है.

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पूर्व सरकार ने नवंबर 2020 में विधान परिषद के लिए राज्यपाल कोट वाली 12 सीटों के लिए नाम की सिफारिश की थी लेकिन तत्कालीन राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच अनबन रहने के कारण आगे चलकर उद्धव ठाकरे की सरकारी ही गिर गई और शिवसेना का विभाजन होकर एकनाथ शिंदे राज्य के मुख्यमंत्री बने. मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने राज्यपाल से पूर्ण भारती सरकार द्वारा राज्य विधान परिषद के लिए नामित 12 सीटों के लिए भेजी गई सूची को वापस लेने का आग्रह किया. राज्यपाल ने इसे 5 सितंबर 2022 को स्वीकार कर लिया और उनके कार्यालय ने विधायकों की इस सूची को मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दिया. राज्य सरकार के साथ राज्य में राज्यपाल भी बदल गए और वर्तमान राज्यपाल क राधाकृष्णन ने हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले मा ज्योति सरकार द्वारा भेजी गई एमएलसी पद के लिए सात नेताओं की एक सूची को मंजूरी दी थी. याचिका दायर करने वाले ने अपनी याचिका में इसे भी चुनौती दी थी. अदालत में सुनवाई के दौरान कहा कि याचिका करता का इरादा शुद्ध नहीं रहने के चलते यह याचिका खारिज की जा रही है. राज्य में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच हाई कोर्ट द्वारा पूर्व की महाविकास आघाड़ी सरकार द्वारा 12 विधान परिषद के संभावित विधायकों के मामले में याचिका खारिज करने से महाविकास आघाड़ी को जोरदार झटका लगा है. अदालतों के डर से कम से कानून कई मामले में सभी के लिए समान साबित होना संतोषजनक है.

पहले अमृत स्नान में लाखों ने लगाई डुबकी

पेज 1 से जारी- महाकुंभ में जहां देशभर के संत महात्मा पहुंचे हैं, वहीं आस्था के महान महोत्सव में करोड़ों की भीड़ का प्रबंधन करना निश्चित ही किसी चुनौती से कम नहीं है. लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जिस तरह से भक्तों का इंतजाम किया गया है. पहला अमृत स्नान करने के लिए लाखों की संख्या में भक्त उमड़ पड़े थे. कहीं भजन तो कहीं कीर्तन, कहीं प्रवचन तो कहीं प्रभु की आराधना, कहीं यज्ञ तो कहीं प्रभु के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा है. एप्पल को-फाउंडर की पत्नी रथ पर सवार होकर पहुंची थी, उस समय पूरा माहौल ही धार्मिकता से ओतप्रोत हो गया है. विश्वभर से जहां करोड़ों भक्त पहुंचे हैं, वहीं दूसरी ओर त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. महाकुंभ की शुरूआत हो चुकी है. संगम पर डुबकी के लिए कड़ाके की ठंड की चिंता किए बिना देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. विदेशी भक्त भी महाकुंभ पहुंच रहे हैं. कुंभ मेला क्षेत्र दिव्य सजावट और भव्य तैयारियों से जगमगा उठा है. चारों ओर आध्यात्मिकता का प्रकाश और धर्म की गूंज है. आज मकर संक्रांति पर्व पर अखाड़ों का अमृत स्नान करीब साढ़े नौ घंटे तक चलेगा. शिविर से निकलने और वापस आने में 12 घंटे से भी अधिक समय लग रहा है. महाकुंभ में जहां भक्ति का सैलाब तेजी से दिखाई दे रहा है. यह महाकुंभ जहां करोड़ों भक्तों की आस्था का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर भक्ति के इस सैलाब में लाखों लोगों द्वारा डूबकी लगाई जा रही है. यहां शुरू लंगर में जहां लाखों लोगों को प्रसाद वितरण किया जा रहा है. वहीं दूसरी ओर रोज प्रयागराज पहुंचने वाली गाड़ियां लोगों सेलबालब हैं.

अमरावती से भी हजारों भक्त पहुंचे- विश्व में अपनी तरह की आस्था के सैलाब में पहुंचने के लिए अमरावती से हजारों की संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं. तीर्थराज प्रयास में आस्था का अविरल प्रवाह यह 26 फरवरी तथा उसके बाद भी जारी

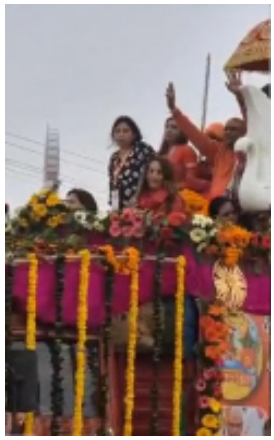

रहेगा. जगतगुरू शंकराचार्य रामराजेश्वरी माऊली सरकार द्वारा यहां अमरावी के भक्तों के लिए बेहतरीन व्यवस्था की है. विश्व हिन्दू परिषद, सनातन संस्था के साथ ही अनगिनत संगठनों द्वारा जिस तरह से यहां योगदान दिया जा रहा है, वह भी सराहनीय है. कुल मिलाकर विश्व स्तर पर आस्था का सैलाब यहां पर बह रहा है, जो भारत का गौरव विश्व में बढा रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

सतों का आशिर्वाद,दिग्गजों का मिला साथ

विदर्भ स्वाभिमान

जीवन में सच्चे दिल से की गई अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती है

युवा स्वाभिमान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमलकिशोर मालानी ने कहा

विदर्भ स्वाभिमान, 15 जनवरी

अमरावती- जीवन में सच्चे दिल से किया गया काम कभी विफल नहीं होता है. ठीक उसी तरह सच्चे दिल से किया गया नेक काम कभी बेकार नहीं जाता है. मानवता का धर्म निभाते हुए और माता-पिता के प्रति कृतज्ञता जताते हुए सदैव जितना संभव हो अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए. इससे जीवन में कभी भी खुशियां रहेंगी. खुशी और प्रेम यह सदैव बढ़कर ही आते हैं. इस आशय का मत समाजसेवी, धार्मिक कामों में अग्रणी और संत-महात्माओं के साथ ही लोगों का प्रेम पाने वाले कमलकिशोर मालानी ने किया. विदर्भ स्वाभिमान को दिए साक्षात्कार में उन्हों ने कहा कि युवा स्वाभिमान के संस्थापक, सभी के चहेते नेता विधायक रवि राणा तथा पूर्व सांसद और लोकप्रिय नेत्री नवनीत राणा के साथ रहने से समाजसेवा की ललक के साथ यह कैसी करनी चाहिए, इसे सिखाने का मौका मिला.

माहेश्वरी समाज के पदाधिकारी के साथ दर्जनों संगठनों से जुड़े कमलकिशोर मालानी संतों के आशिर्वाद और दिग्गजों के साथ का जिक्र कर कहते हैं कि वे इसे प्रभु की कृपा मानते हैं. साल 1975 में आई फिल्म दीवार का वह मशहूर डायलॉग, जिसमें स्मगलर बने अमिताभ बच्चन अपने ईमानदार पुलिस ऑफिसर भाई से कहते हैं- आज मेरे पास बंगला है, प्रॉपर्टी है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' भाई के किरदार में मौजूद शशि कपूर कहते हैं-मेरे पास मां है.इस जवाब के बाद अमिताभ बच्चन चुप रह जाते हैं.फिल्म में अच्छाई और बुराई की तुलना की गई है. एक तरफ अमिताभ बच्चन हैं, जो सोने की तस्करी से लाखों-करोड़ों रुपए और सभी तरह के शानो-शौकत जुटा लेते हैं. दूसरी ओर, उनके भाई हैं जो ईमानदारी और सुकून के साथ मिडिल क्लास जिंदगी जी रहे हैं. इसका उदाहरण देते हुए कमलकिशोर मालानी ने कहा कि अमरावती में हुई पं. प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा में पंडितजी से मुलाकात और सेवा का मौका मिला, इसे वह अपना सौभाग्य मानते हैं.

उनका कहना है कि सबसे पहले यह समझ लीजिए कि अच्छाई एक सब्जेक्टिव टॉपिक है. अलग-अलग लोगों के लिए इसके मायने अलग हो सकते हैं. देश, संस्कृति और कानून बदलने पर भी अच्छाई के मानक बदल जाते हैं.यह भी संभव नहीं है कि कोई शख्स पूरी दुनिया की नजर में अच्छा साबित हो जाए. ऐसा करने की कोशिश भी ठीक नहीं मानी जाती.वेरी वेल माइंड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अच्छाई को मापने का कोई सर्वमान्य पैमाना नहीं है.इसका सबसे बेहतर उपाय खुद की नजरों में अच्छा होना है. साथ ही अपने आसपास की मान्य नैतिक और सामाजिक मान्यताओं के आधार पर भी अपने व्यक्तित्व की परख की जा सकती है.

ज़ीवन में माता-पिता के आशिर्वाद और अच्छे लोगों के साथ को सबसे बड़ी कमाई मानते हैं. वे कहते हैं कि शहरवासियों का अपार प्रेम और चंद्रकुमार जाजोदिया, विधायक रवि राणा, सौ. नवनीत राणा का आशिर्वाद सदैव उन्हें मिला है. जन्मदिन पर उन्हें हजारों लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आशिर्वाद देने पर कृतज्ञता जताई.

संघर्ष में तपकर सोना होने वाले, सामाजिक सेवा से ओतप्रोत, सेवानिवृत्त प्राध्यापक और ज्येष्ठ नागरिकों के लिए सदैव उपक्रम लेने वाले हम सभी के चहेते

प्रा. रघुनाथ कुबड़े

सर को जन्मदिन 16 जनवरी पर मंगलमय हार्दिक

शुभकामनाएं,

आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

प्रा.रघुनाथ कुबड़े मित्र परिवार,लॉफिंग ग्रुप शारदा नगर बगीचा तथा विदर्भ स्वाभिमान

भाव सच्चा तो करते भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी सब अच्छा

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-1, समर्पित भक्तिभाव देता है अपार खुशी और समृद्धि

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. प्रथम किश्त यहां दे रहे हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण www.vidarbhswabhiman.com शेष अगले अंक में

पिछले अंक से आगे-ऐसी आशा से मुझे क्षमा करके कृपया मेरे इस काव्य के बारे में सुनिए. मेरे काव्य के बारे में बताऊँगी कृपया सुनिए. राजीव लोचन सत्करूणामूर्ति मुझमें बसे हुए हैं ऐसे भक्ति भाव से योग क्रम से अत्यंत सुंदर ढंग से तेलुगु की रीति का पालन करते हुए अपनी कृति को प्रकट करूँगी.

अपने बचपन में मैं ने गुरूओं के पास अक्षर भी नहीं सीखे हैं. तेलुगु के छंद शास्त्र की जानकारी लेकर दस पद्य बी सचमुच ही कभी नहीं सीखे हैं. काव्य नाटक अलंकार आदि शास्त्रों को पढ़ा भी नहीं है. पूर्व के इतिहासों को तेलुगु में विस्तृत रूप से रचे काव्यों को पढ़कर कोई शोध कार्य भी नहीं किया. लेकिन इसके बाद भी करूणामूर्ति व्यंकटेशभगवान की कृपा से ही इस किताब का सृजन किया है.

सिर्फ तरिगों ड नरसिंह की आज्ञा से अपने को निमित्त बनाकर बताऊँगी. ढूँढने पर भी इसमें मेरा कोई स्वार्थ नहीं है. लकड़ी से बनी वीणा के बजने की तरह, गायक के गाने की तरह दयापूर्ण पुरुषोत्तम ही मेरी जीभ पर विराजमान होकर इसे लिखवाने का मेरा विश्वास है. लेखनी तो मेरी है किंतु लिखनेवाली मैं नहीं हूँ. वे तो पुरुषोत्तम हैं.व्दिपद छंद में रचा यह भागवत पुराण भी उन्हीं का है. यहाँ कवयित्री ने तेलुगु के महाकवि पोतना का स्मरण किया हैं.उन्होंने भी व्दादश स्कंधो में भागवत को रचकर अपने इष्टदेव रामचंद्र को समर्पित किया. और लिखवाने की प्रेरणा उन्हीं की बतायी है. वैसे वेंकटाद्रि की महिमा को मैं इस धरती पर पद्य काव्य के रूप में रचकर श्रीनिवास को ही समर्पण करना चाहती हूँ. मक्खी के सागर लांघने की तरह मेरे इस दुस्साहस पर शायद पंडितगण हँसेंगे मुझ पर हँसने पर भी अत्यंत उन्नत रूप से श्रीवेंकटेश्वर के निवास स्थल वेंकट गिरिपुर (आज का तिरुमल तीर्थ) का थोड़ा वर्णन करूँगी.

वेंकटगिरि नगर वर्णन

बड़े-बड़े गोपुर, प्राकारों से बने मंडप अनेक रथ पवित्र पुण्यतीर्थ कमलों की किरणों से शोभित सोने के शिखर पवित्र परिवार देवतालय अत्यंत महिमावाले विरक्ति को जगानेवाले मठ युध्द में कोलाहल करनेवाले हाथी घोड़े अत्यंत सुंदर दिखनेवाली साधु गाएं और भी सुंदर तुतली में बोलनेवाले तोते नील कंठ पक्षीगण विस्तारित लता-वितान फलों के वृक्ष तुलसी आदि पौधे, अनेक कुसुम आदि से वेंकटगिरि नगर लदलदा है.इसके अतिरिक्त वेद पुराण शात्रादि की विद्या से भरपूर विवेकवान विप्रजन महनीय सत्य धर्म पराक्रम आदि से संपन्न बलवान राजागण रमणीय कृषि करनेवाले कृषक गोरक्षा और वाणिज्य करने वाले संपन्न वैश्यवगण ब्राह्यणों की बहु सेवा करके विनम्र रहनेवाले शूद्रजनों से वेंगटगिरि नगर भरा था. इसके अतिरिक्त लंबी व सीधी गलियाँ अनेक श्रृगार वन अनेक मंदिर कमलों से भरे सरोवर आदि के होते वेंकटगिरि नगर पृथ्वी पर अत्यंकीर्तिवान बन गया था.

भूवराह स्वामी के पूर्व दिशा में, श्रीनवास मंदिर की ईशान दिशा में स्पटिक कांतिमय सीढ़ियों के बीच में मरकत कांति से सुशोभित श्री स्वामी की पुष्करिणी है. जन-जन के पापों को दूर करने वाला है. तीर्थ यात्रा करने वाले यात्री देश काल के अनुसार संकल्प करके यहां दान करते हैं. उन्हें धर्म शास्त्र विधि से दान करवाकर धनार्जन करने वाले पंडितगण भी हैं.तीर्थ स्नान के उपरांत यात्री हरि को अपनी मनौतियां को समर्पण करते हैं, जिसे प्रभु गोविंदा पूरी करते हैं.

शेष अगले अंक में

सेवा समर्पित व्यक्तित्व हैं कमलकिशोर मालाणी

१५ को जन्मदिन पर विशेष, युवा स्वाभिमान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर अभिनंदन का वर्षाव

शहर ही नहीं तो सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले और हरदिल अजीज व्यक्तित्व के रूप में कमलकिशोर मालानी न केवल शहर बल्कि समूचे विदर्भ में सुख्यात हैं. किसी की मदद की बात हो, समाज की एकता अथवा तरक्की, संतों के विचारों को प्रोत्साहित करने जैसी हर गतिविधि में उनकी भूमिका सराहनीय होती है. इस बार उनके जन्मदिन पर सुनहरा योग आया है. उनके उल्लेखनीय कार्यों को ध्यान में रखते हुए और पार्टी की मजबूती में विशेष योगदान के लिए युवा स्वाभिमान पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया. उनके कार्यों से प्रभावित होकर उन पर यह बड़ी जिम्मेदारी डाली गई है. पार्टी के संस्थापक और विधायकी का बडनेरा में रिकार्ड बनाने वाले रवि राणा के हाथों सम्मानित किया गया है. उन्हें नियुक्ती पत्र प्रदान करते समय तालियों की गड़गड़ाहट ने उनके कार्यों का हजारों उपस्थितों को भी परिचय करा दिया.

बचपन से ही मेधावी छात्र रहे और सामाजिक तथा धार्मिक कार्यों में योगदान देने के कारण कमलकिशोर मालानी ने लाखों की संख्या में मित्र परिवार तैयार किया है. समाज की एकता के साथ इसकी मजबूती के लिए जहां वे समर्पित रहते हैं, वहीं 14-15 संगठनों के पदाधिकारी तथा मार्गदर्शक के रूप में सेवाएं देते हैं. इसे वे प्रभु की कृपा और माता-पिता का आशिर्वाद मानते हैं. उनका स्पष्ट मत है कि दूसरों का अच्छा करने वाले के साथ कभी बुरा नहीं होता है. इसलिए जितना संभव हो हमें अच्छी सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए. युवा स्वाभिमान पार्टी के सेवाभावी कार्यों में पिछले 15 साल समर्पित भाव से जुड़े रहने के कारण पार्टी में कार्यकर्ता उन्हें बड़े भाई के रूप में जहां सम्मान देते हैं, वहीं जिला माहेश्वरी संगठन के उपाध्यक्ष के पद पर रहकर समाज की मजबूती और एकता के लिए निरंतर प्रयासरत हैं. भक्तिसागर सेवा समिति के अध्यक्ष के रूप में जहां उन्हों ने अध्यात्म की अलख जगाई है. वहीं जहां भी धार्मिक आयोजन होता है, वहां समुचित सहयोग, मार्गदर्शन देने के लिए तत्पर रहते हैं. इसमें स्वयं भी समय निकालकर उपस्थित रहते हैं. अभी तक उन्होंने कई कथाओं का भी सफल आयोजन किया है. सदैव सहयोग की भावना रखने वाले व्यक्ति के रूप में समाजसेवी कमलकिशोर मालानी का उल्लेख किया जा सकता है. समय के पाबंद रहने के साथ ही हर व्यक्ति की भावनाओं का जहां वे सम्मान करते हैं, वहीं पूर्व सांसद नवनीत राणा और विधायक रवि राणा के चहेतों में सबसे अग्रिम पंक्ति में रहते हैं. अमरावती में हुई पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा में भी उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता है. वे इस कथा के प्रबंधन में लगातार तत्पर रहे और इस कथा ने अमरावती में इतिहास रच दिया.

जहां वे अनुभवी व्यक्ति हैं, वहीं सालभर धार्मिक गतिविधियों के साथ ही सेवाभावी गतिविधियों में स्वयं को व्यस्त रखते हैं. उन्होंने स्वास्थ्य शिविर, चष्मा वितरण और भजन स्पर्धाएं लेकर बच्चों से लेकर युवाओं को राष्ट्रीय कार्यों में योगदान के लिए प्रेरित किया. उनके इसी कार्यो को ध्यान में रखते हुए उन्हें विदर्भ रत्न सहित कई पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया जा चुका है. करने में अधिक और बोलने में कम विश्वास रखने वाले कमलकिशोर मालानी का विनम्र स्वभाव उन्हें सदैव सम्मान दिलाता है. उनका जन्मदिन 15 जनवरी को है. इस मौके पर उनका कहना है कि विधायक रवि राणा के साथ काम करते समय समाज तथा मानव सेवा को सर्वो च्च प्राथमिकता देने की सीख मिली और वे इस पर सदैव चलने की चाहत रखते हैं. जीवन में माता-पिता, प्रभु की कृपा के साथ लोगों से मिले अपार प्रेम के लिए वे कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और सदैव यथासंभव समाज तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का भाव रखते हैं.

हुकुमचंद खंडेलवान,
अमरावती.

ज़न्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

शहर में सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले, किसी की भी मदद को तत्पर, युवा स्वाभिमान का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा दर्जनभर से अधिक संगठनों के पदाधिकारी, कई पुरस्कार प्राप्त, माहेश्वरी समाज संगठन के पदाधिकारी, हम सभी के चहेते

कमलकिशोर मालानी

क़ो जन्मदिन 15 जनवरी पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

शुभेच्छुक
कमलकिशोर मालानी मित्र परिवार, युवा स्वाभिमान पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, अमरावती

बैकुंठ एकादशी पर उमड़ी भक्तों की कतार

व्यंकटेश धाम में सुबह से लेकर रात्रि 12 बजे तक भक्तों का उमड़ा सैलाब, सेवाभावियों ने दिनभर की सेवा

अमरावती - लाखों भक्तों के आस्थास्थल व्यंकटेशधाम तथा खल्लार बालाजी स्थित बालाजी मंदिर में बैकुंठ एकादशी के दिन वैकुंठ द्वार से गुजरने वालों की लंबी कतार लग गई थी. सुबह से लेकर रात्रि 12 बजे तक व्यंकटेशधाम में जहां लाखों भक्तों ने दर्शन तथा बैकुंठ द्वार क्रास करते हुए पुण्यलाभ प्राप्त किया, वहीं दूसरी ओर खल्लार बालाजी में पालखी शोभायात्रा में भी भारी संख्या में भक्तों ने भाग लिया. कुल मिलाकर तिरूपति बालाजी का नजारा अमरावती के जयस्तंभ चौक से लेकर मंदिर तक तैयार हुआ था.

मंदिर में सुबह से लेकर रात्रि तक भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा था. श्री बालाजीमंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ ही भक्त गोविंद दायमा, रमण दायमा के साथ ही मंदिर के सेवा कर्मियों ने दिनभर व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया. इसके चलते भक्तों में भी अपार उत्साह वाली स्थिति थी. भक्तों के मुताबिक अपार शांति की अनुभूति उन्हों ने यहां पर दर्शन कर प्राप्त की. सुबह से लेकर रात्रि तक भक्तों के दर्शन का सिलसिला चलता रहा और भक्तों ने भक्तिभाव के समुद्र में डुबकी लगा. इसी तरह खल्लार बालाजी के मंदिर में भी पालखी निकाली गई. इसमें क्षेत्रवासी भक्तों के साथ ही अमरावती से भी सैकड़ों की संख्या में भक्त पहुंचे थे. जय गोविंदा के जयघोष से पूरा माहौल धार्मिकता से ओतप्रोत हो गया था.अमरावती में लगी भक्तों की कतार का अंदाजा ईसी बात से लगाया जा सकता है कि जयस्तंभ चौक तक भक्त थे. मंदिर में सुबह से लेकर रात्रि तक हजारों भक्तों की जिस तरह से कतार लगी थी और अपार श्रद्धा का सैलाब बह रहा था, यह अमरावती के इतिहास में अलग ही चित्र कह रहा था. जय गोविंदा के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज रहा था.

प्रयागराज- महापुण्यदायी महाकुंभ में अमृत स्नान के प्रसंग पर उमड़े भक्तों का सैलाब. इसमें देश-विदेश के संतों के साथ ही हजारों की संख्या में भक्त हैं. लगभग 3.50 करोड़ लोगों ने अमृत स्नान में डुबकी लगाई. हर-हर गंगे की घोषणाओं से पूरा क्षेत्र गूंज उठा.

संघर्ष में तपकर सोना हुए व्यक्तित्व हैं प्रा.रघुनाथ कुबड़े

आज जन्मदिन पर विशेष बचपन से पिता का साया हटने के बाद भी परिवार को संवारा सेवाभावी कामों में रहते हैं अग्रणी

व्यक्ति में अगर कुछ करने की इच्छा और जिद हो तो रास्ते स्वयं बनते चले जाते हैं. इसका उदाहरण हैं वाशिम जिले में छोटा गांव मनभा है, जहां आम लोगों को अपेक्षित कोई भी सुविधा नहीं रही है. इस गांव में 16 जनवरी 1947 को प्रा. रघुनाथ काशीनाथ कुबडे का जन्म हुआ. गरीबी थी, समस्याएं थी लेकिन अच्छा था. उम्र के 9 साल के रहते समय पिता का साया सिर से हट गया. उस समय छोटे रहने के कारण उनका चेहरा आज भी उन्हें याद नहीं है. दुःख इस बात का है कि पिता का चेहरा तथा फोटो भी नहीं है. पिता के प्यार से वंचित रहे. दो बड़े भाई खेती और गांव में किराणा दुकान थीं. प्राथमिक शिक्षा जिला परिषद स्कूल में हुई. डहाके सर ने 7वीं की कक्षा में अंग्रेजी और गणित जैसे कठिन विषय क़े शिक्षक ने बिना किसी तरह का शुल्क लिए उन्हें पढ़ाया, इसे आज भी याद करते हैं. इसका जीवन में काफी लाभ मिलने की बात वे कहते हैं.बचपन से ही खेल में रूचि रही है. इसमें कबड्?डी, खो-खो, टेबल टेनिस तथा बैडमिंटन से विशेष लगाव था.

आर्थिक स्थिति भी बहुत मजबूत नहीं थी. नाइट स्कूल में विद्यावेतन पाते थे। गुरू पूर्णिमा के दिन आज भी जीवन को आकार देने वाले शिक्षकों को याद करते हैं. जिंदगी का सफर निराला होता है. छोटे से गांव से 1963 में अमरावती आए और वीएमवी महाविद्यालय में प्रवेश लिया. सबेरे 6:30 बजे स्नान और ताजा खाना खाकर कॉलेज साइकिल से जाते थे.पिता के देहांत के बाद मां ने परिवार को संभाला. मां की याद यहां उन्हें आती थी. माँ का प्यार और ममता से 1968 में बीएससी शिवाजी कॉलेज से किया. एमएस्सी केमेस्ट्री वीएमवी महाविद्यालय से किया.

इसके लिए केवल दस सीट थी.

प्रा. रघुनाथ कुबड़े बताते हैं कि उन्हें प्राध्यापक बनने के लिए प्रेरणा भारतीय विद्यालय से मिली, जहां उन्होंने 9,10 तथा 11वीं के छात्रों को पढ़ाया. हालांकि फूड इन्सपेक्टर की आर्डर मिली थी लेकिन शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र की सेवा करने का फैसला उन्होंने किया.1972 में भारतीय महाविद्यालय अमरावती में प्राध्यापक पद पर नियुक्ति हुई. प्रथम 5-7 साल सिर्फ 200/300 रूपए पगार था. शादी हुई थी. किराए का मकान था. भतीजा भी पढ़ने के लिए साथ था, तमाम समस्याओं में भी मेरी जीवन संगिनी पत्नी ने पूरा साथ दिया और इन समस्याओं से निपटने में सफल रहा. जीवनसाथी के साथ से स्थितियां पक्ष में होती गई. दोनों बेटे और बहू भी उच्च विद्याविभूषित होकर कुबड़े परिवार का नाम रोशन कर रहे हैं. सभी सुशिक्षित, सुशील, सुसंस्कारित और सेवाभावी हैं. बहू विद्या सचिन कुबड़े उच्च विद्याविभूषित है और मुंबई के अभियांत्रिकी महाविद्यालय में प्राध्यापक है. अपनी 37 वर्ष की प्राध्यापक की सेवा से संतुष्ट बताते हैं. प्राध्यापक की नौकरी भी पूरी ईमानदारी और समर्पण से करने तथा जीवन में हर तरह का समाधान मिलने की बात कहते हैं. साथ ही जीवन में सदैव अच्छी सोच रखने, माता-पिता की सेवा करने और मानवता की सेवा करने की सलाह सभी को देते हैं.

एमएस्सी करते समय विदर्भ महाविद्यालय और बीएस्सी करते समय शिवाजी कॉलेज में पढ़ते वक्त समाज के वीरशैव छात्रालय में रहा. साल के 100 रु लगते थे. किंग एडवर्ड स्कॉलरशिप मिलती थी, इस 60 रूपए में भोजन की व्यवस्था होती थी. सबको समाज से कुछ ना कुछ मिलता है, इसलिये समाज के प्रति कुछ करना सभी की जिम्मेदारी होती है. इसको ध्यान में रखते हुए सामाजिक दायित्व की भूमिका निभाने का यथासंभव प्रयास करता हूं. शारदा नगर उद्यान के साथ ही अन्य सामाजिक कार्यों में भी सेवा देने तत्पर रहते हैं. शारदा नगर जेष्ठ नागरिक कृति समिति का 2017 में रजिस्ट्रेशन हुआ. फिलहाल अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं. म.न.पा और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास काम शुरू हैं.

जीवन में वे स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं, जिसे आदर्श पत्नी, बेटे, बहू के साथ ही नाती मिले हैं. अभी तक कई पुरस्कार और मौकों पर सत्कार भी हुआ है. राजापेठ तथा कोतवाली पुलिस ने उन्हें सेवा कार्यों के लिए सम्मानित भी किया है. शारदा नगर उद्यान स्थित श्री हनुमानजी की असीम कृपा मानते हैं. मित्रों का प्यार और अपनों का साथ जीवन में मिलने से स्वयं को धन्य मानते हैं. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं. पिछले 10 साल से उनके साथ परिचय के बाद उनके व्यक्तित्व को समझने का मौका मिला.

पत्नी ने जहां हर सुख-दुख में साथ दिया, वहीं बच्चों ने पिता के आदर्श विचारों तथा मेहनत को समझते हुए स्वयं को विकसित किया. कुल मिलाकर पूरा परिवार ही आदर्श विचारों , उच्च शिक्षा से पहचाना जाता है. अंत में वे कहते हैं मन के समाधान के लिये कवि गुलजार कहते हैं...

बहुत कुछ मिला है हमे जिंदगी में
बस हम गिनती उसी की करते हैं
जो हासिल न हो सका.

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें. छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर
9423426199,
8855019189

श्रद्धालुओं का महासागर उमड़ा है प्रयागराज में

प्रयागराज- यहां पर जारी महाकुंभ पूरे विश्व का ध्यान खींच रहा है. 45 दिवसीय महाकुंभ के तीसरे दिन भी त्रिवेणी संगम पर श्रद्धालुओं का आना जारी है. पहले 2 दिनों में 5 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाई. कल मकर संक्रांति के अवसर पर पहले अमृत स्नान पर 3.5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई.महाकुंभ का प्रथम अमृत स्नान पर्व मकर संक्रांति के बाद अब मेला प्रशासन प्रदेश सरकार की कैबिनेट की बैठक में जुटेगा. इसको लेकर बुधवार को उच्चाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक भी होगी. कैबिनेट बैठक 21 जनवरी को प्रस्तावित है, जिसमें दारागंज से हेतापट्टी तक तथा करेली से घूरपुर के पास तक गंगा पर पुल निर्माण तथा संगम पर रोपवे की स्वीकृति मिलने की उम्मीद है. बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरी कैबिनेट पवित्र त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी भी लगाएगी.इसके साथ ही अब महाकुंभ के मुख्य अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के आयोजन को लेकर भी तैयारी तेज होगी. यह स्नान पर्व 29 जनवरी को है. इस स्नान पर्व पर सबसे ज्यादा सात से आठ करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान लगाया गया है. इसके लिए 27 जनवरी से ही वाहनों को मेला क्षेत्र में प्रतिबंधित कर दिया जाएगा. इसी तारीख से रूट डायवर्जन भी लागू कर दिया जाएगा. इसके लिए जिला व मेला पुलिस-प्रशासन की बैठक मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अगले हफ्ते में होगी.मकर संक्रांति पर पुण्य की डुबकी लगाने आए श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार का दिन राहत भरा रहा, क्योंकि तापमान में गिरावट के बावजूद गलन महसूस नहीं हुई. बादल छाया रहा और महाकुंभ क्षेत्र में हल्की गर्माहट बनी रही. अधिकतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन की तुलना में लगभग चार डिग्री कम था. न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस रहा. मंगलवार को कोहरा और बादलों के बावजूद ठंड का प्रभाव ज्यादा नहीं बढ़ा.मौसम विभाग ने बुधवार को घना कोहरा और गुरुवार को हल्की बारिश का पूर्वानुमान लगाया है, जिससे ठंड बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. महाकुंभ में उमड़े श्रद्धालु बदलते मौसम के बावजूद उत्साह से भरे हुए हैं.

वल्लभनगर में शिवपुराण कथा की तैयारी जोरों पर

विदर्भ स्वाभिमान,15 जनवरी

अमरावती- वल्लभनगर तथा आसपास के क्षेत्र में फरवरी महीने में होने वाली शिव महापुराण कथा को अभूतपूर्व और सफल बनाने के लिए क्षेत्रवासी पूरी ताकत से लगे हैं. यही कारण है कि यह कथा अभूतपूर्व रहने का विश्वास दिलीप मकवाने तथा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने जताया है. कथा के लिए क्षेत्र की भोलेनाथ भक्त महिलाओं में अपार उत्साह है. उनके मुताबिक पहली बार हो रही वल्लभनगर में इस कथा को सफल बनाने के लिए सभी तन-मन-धन से प्रयासरत हैं. कथा की तैयारियां की जा रही हैं. इस दौरान बीड़ संख्या में मान्यवरों द्वारा रोज आरती तथा अन्य कार्यक्रम हों गे.

कथा को शानदार सफलता मिलने का विश्वास जहां क्षेत्रवासियों द्वारा व्यक्त किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसमें सभी लोगों का सहयोग मिलने की जानकारी महेन्द्र बोपुलकर ने की है. उनके मुताबिक नर्मदेश्वर महादेव मंदिर को भक्तों का अपार सहयोग तथा प्रेम मिला है. समर्पित ट्रस्टी नित-नया करने का प्रयास करते हैं. अल्प समय में ही यह मंदिर भक्तों को प्रभावित करने में सफल हुआ है. कथा का लाभ देने के साथ ही इसे सफल बनाने का आग्रह किया.

मां तुलजाई कंस्ट्रक्शन के संचालक महेन्द्र बोपुलकर भोलेनाथ के अनन्य भक्त हैं. मंदिर के विकास के साथ ही अन्य आयोजनों में सहयोग देते हैं. अल्प समय में ही हजारों भाविक भक्तों का विश्वास जीतने में सफल रहने का विश्वास जताया.

ग्रामपंचायत कार्यालय पुसला

पंचायत समिती, वरुड जि. अमरावती निविदा सुचना 2024-25

दिनांक - 15/01/2025

मा. सरपंच / ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत कार्यालय पुसला यांच्या वतीने विकास कामासाठी निविदा करारनामावरिल कामांसाठी जिल्हा परिषद अमरावती मध्ये योग्य श्रेणित पंजीबध्द नोंदणी करण्यात आलेल्या कंत्राटदाराकडुन निविदा प्रपत्र प्रणाली व्दारे निविदा मागविण्यात येत आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	कामाची अंदाजित रक्कम	बयाना रक्कम	निविदा फी	कामाचा कालावधी	लेखाशिर्षक
1	श्री क्षेत्र भवानी माता मंदिर, पुसला येथे भक्त निवास बांधकाम करणे ता. वरुड	10 लक्ष	10000 रुपये	1000 रुपये	01/02/2025 ते 30/03/2025	तिर्थक्षेत्र विकास निधी सन 2024-25
2	ग्रामपंचायत पुसला येथे स्मशानभुमीत शेड बांधकाम करणे ता. वरुड	10 लक्ष	10000 रुपये	1000 रुपये	01/02/2025 ते 30/03/2025	जनसुविधा सन 2024-25

निविदा प्रसिध्दी दिनांक 15/01/2025 सकाळी 11.00 वा.

निविदा विक्रि प्रारंभ दिनांक 15/01/2025 कार्यालयिन वेळेत

निविदा विक्रि समाप्त दिनांक 21/01/2025 दुपारी 3.00 वाजेपर्यंत

निविदा स्विकृती - 15/01/2025 ते 21/01/2025 दुपारी 3.00 वाजेपर्यंत

निविदा उघडण्यास दिनांक दिनांक 24/01/2025 दुपारी 1200 वाजेपर्यंत

निविदेच्या अटी व शर्ती महाराष्ट्र ग्रामपंचायत कार्यालय येथे सविस्तर माहीती व निविदा सूचना पहावयास मिळेल व सर्व अधिकार ग्रामपंचायतणे राखुन ठेवले आहे. निविदा भरतांना अंदाज पत्रकाचे रकमेच्या 1 % ते 10 % पर्यंत 1 % रक्कम आणि त्यावरिल कमी दराचे निविदाला प्रत्येक 0 % प्रमाणे रकमेचा DD सोबत जोडावा लागेल.

निविदेच्या अटि व शर्ती -

1. निविदा लिफाफा बंद करून सादर करावी 2. कंत्राटदारांनी निविदेसोबत नोंदणी प्रमाणपत्राची झेरॉक्स जोडावी. 3. निविदा फक्त नोंदणीकृत कंत्राटदारानेच सादर करावी. 4. निविदेमध्ये कामाचे नाव तांत्रिक मंजुरात क्रमांक स्पष्टपणे नमुद करावा. 5. निविदा पुर्णपणे अचुक भरावी चुकिची निविदा भरल्यास निविदा रद्द करण्यात येईल. 6. निविदा ठरवुन दिलेल्या कालावधीत सादर न केल्यास स्विकारण्यास येणार नाही. 7. प्रत्येक कामाकरिता स्वतंत्र निविदा सादर करावी. 8. काही कारणास्तव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार ग्रामपंचायतने राखुन ठेवलेले आहे. 9. निविदा भरतांना कंत्राटदाराला अंदाजपत्रकाचे रकमेचा 1 % DD बयाना रक्कम म्हणून जोडावा लागेल. 10. निविदा स्विकारतांना कंत्राटदाराने लेटर पेड वरील अर्ज व परवाना झेरॉक्स प्रत जोडावी, 11. शासनाकडुन नीधी उपलब्ध झाल्यानंतर सदर देयके अदा करण्यात येईल.

सरपंच/ग्राम विकास अधिकारी
ग्रामपंचायत कार्यालय, पुसला

सीए रतन शर्मा को पितृशोक

बडनेरा-शहर के प्रतिष्ठित नागरिक, सुख्यात सीए रतन शर्मा, एड. जगदीश, एड. चंदन शर्मा के पिताजी, एड. मयंक, सीए हर्ष, क्रिश के दादाजी नत्थूलालजी शर्मा का देहांत हो गया. मिलनसार तथा धार्मिक स्वभाव के धनी नत्थूलाल शर्मा के देहांत से क्षेत्र में शोक व्याप्त है.

उच्च विद्याविभूषित और सेवाभावी परिवार के रूप में शर्मा परिवार का उल्लेख किया जाता है. आदर्श संस्कार और उच्च शिक्षा से पूरा परिवार लैस है.उनकी अंतिम यात्रा नई बस्ती लकड़गंज,आठवडी बाजार स्थित निवास से निकलकर उन पर अंतिम संस्कार किया गया. उनके पश्चात भरापुरा शोकाकुल परिवार है.विदर्भ स्वाभिमान एवं आनंद परिवार की ओर से विनम्र आदरांजलि. भगवान उनकी दिव्य आत्मा को भगवान शांति प्रदान करें.

डॉ.आलोक मिश्रा को पितृशोक

अमरावती-सिटी न्यूज़ के राष्ट्रीय प्रमुख, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. आलोक मिश्रा के पिताश्री, डॉ. मदनमोहन मिश्रा का आज सुबह 83 वर्ष की आयु में ह्रदयघात से निधन हो गया. वे अमरावती बालाजी मंदिर के ट्रस्टी थे और अमरावती जिला परिषद में चिकित्सक के रूप में कार्यरत थे.उनके परिवार में पत्नी, पत्र डॉ. आलोकजी (पत्रकार), डॉ. उज्ज्वलजी, पुत्री डॉ. अमृता मिश्रा, पोते-पोती सहित पूरा परिवार शोकाकुल है.आज सुबह 11:30 बजे उनके निवास स्थान से अंतिम यात्रा निकलकर उन पर अंतिम संस्कार किया.डॉ. मदनमोहन मिश्रा की आत्मा की शांति की कामना करते हैं और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं. डॉ. मदनमोहन मिश्रा सुख्यात डाक्टर के साथ ही सेवाभावी और मददगार व्यक्ति थे. उनके देहांत से ब्राह्मण समाज में भी शोक व्याप्त है. विदर्भ स्वाभिमान की आदरांजलि.

खल्लार बालाजी मंदिर में 30 ज़नवरी से श्री रामकथा

अमरावती-लाखों भक्तों के आस्थास्थल और स्वयं व्यंकटेश्वर बालाजी के चरणों से पावन हुए श्री बालाजी संस्थान, खल्लार बालाजी, उत्तमसरा में 30 जनवरी से 6 फरवरी तक श्रीरामायण कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया है . इसमें प्रमोद महाराज जोशी भक्तों को श्रीरामचरितमानस कथा रसपान कराएंगे. कार्यक्रम की तैयारियां गांववासियों द्वारा अभी से की जा रही है. इस आयोजन को लेकर गांव में अपार उत्साह व्याप्त है. भगवान बालाजी के चरणों से पुनीत इस मंदिर में होने वाले आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरा गांव लगातार प्रयासरत है. भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है. गांववासी एकता के साथ प्रयासरत हैं.

खल्लार बालाजी मंदिर में दूर- दूर से भक्त दर्शन करने के लिए आते हैं. अमरावती से बड़ी संख्या में भक्त हर शुक्रवार को मंदिर में पहुंचकर अभिषेक तथा पूजा-अर्चना तथा संगीतमय आरती में शामिल होते हैं. इसमें गांववासी भी बड़ी संख्या में शामिल होते हैं. श्रीरामायण कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह गुरूवार 30 जनवरी को शुरू होगा. 6 फरवरी तक प्रमोद महाराज जोशी भक्तों को श्रीराम का गुणगान सुनाएंगे. कथा का भक्तों से लाभ लेने का आग्रह श्री बालाजी संस्थान, खल्लार बालाजी के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा किया गया है.

महाकुंभ में हर दिन रचा जा रहा है विश्व रिकॉर्ड हुए ध्वस्त

महाकुम्भ में पहले दो दिनों में 5.15 करोड़ लोगों ने स्नान किया.

पहले दिन 1.65 करोड़ और मकर संक्रांति के दिन 3.50 करोड़ लोगों ने महाकुम्भ स्नान किया.

सबसे ख़ास बात जानते हैं??

ना किसी से जात, धर्म नागरिकता पूछी गई.....ना किसी की बुराई की गई... ना किसी और धर्म को नीचा दिखाया गया.

दुनिया भर से गरीब अमीर, देशी विदेशी..... हर तरह के भक्त आये..... अपना धर्म निभाया और सबने आनंद लिया. यह भारतीय गौरव का जहां प्रतीक साबित हो रहा है, वहीं विश्व बंधुत्व, सर्वधर्म समभाव की भावना जगा रहा है.

इतने करोड़ों लोगों के लिए भोजन-पानी आदि की व्यवस्था... रहने का इंतजाम भी है प्रयागराज में....लाखों के लिए तो एकदम मुफ्त भी है..... लेकिन कोई हल्ला नहीं मचा रहा.. कोई क्रेडिट की तख्ती नहीं लटका रहा.

दुनिया में कहीं भी ऐसा उदाहरण आपको नहीं मिलेगा. यह भारतीय संस्कृति की ही महानता है और हम भाग्यशाली हैं, जो इस देश के निवासी हैं,जिस देश में गंगा बहती है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान